भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *162

दिनांक 31 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

.....

भूजल प्रबंधन पर अटल भूजल योजना (एबीवाई) का प्रभाव

***162. श्री बैजयंत पांडा:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अटल भूजल योजना (एबीवाई) ने अपनी शुरूआत से चिन्हित प्रायोगिक जिलों में भूजल पुनर्भरण, सामुदायिक जल बजटिंग और सहभागिता सिंचाई प्रबंधन के अपने नियोजित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2020 से अब तक कार्यान्वयन करने वाले सात राज्यों में से प्रत्येक राज्य में भूजल स्तर पर एबीवाई का मात्रात्मक प्रभाव क्या है जिसमें अत्यधिक दोहित और गंभीर स्थिति वाले ब्लॉक की प्रवृत्तियां शामिल हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन' चरण-II के अंतर्गत भू-जल प्रशासन के सफल मॉडलों को आगे बढ़ाने का है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इनके चयन और निधियन के लिए क्या मानदंड निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री

(श्री सी आर पाटील)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

'भूजल प्रबंधन पर अटल भूजल योजना (एबीवाई) का प्रभाव' के संबंध में दिनांक 31.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *162 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): अटल भूजल योजना (अटल जल/एबीवाई) भूजल संसाधनों के समुदाय-आधारित सतत प्रबंधन के लिए एक विशिष्ट योजना है। यह योजना एक मजबूत आधार रखती है और निरंतर सूचना, शिक्षा, संचार (आईईसी) और प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर गहन क्षमता निर्माण को बढ़ावा देती है, जिससे समुदाय के सदस्यों को एक साथ आने और अपनी ग्राम पंचायत के लिए जल बजट (डब्ल्यूबी) और उसके बाद जल सुरक्षा योजना (डब्ल्यूएसपी) तैयार करने के लिए सशक्त बनाया जाता है। डब्ल्यूएसपी पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद ग्राम सभाओं द्वारा चर्चा और अनुमोदन किया जाता है, जिसमें कम से कम 33% महिलाओं की भागीदारी के साथ समुदाय के सदस्यों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। डब्ल्यूएसपी में भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने के साथ-साथ पानी की मांग को कम करते हुए सिंचाई दक्षता में सुधार करने के लिए आपूर्ति और मांग दोनों पक्ष के उपाय शामिल हैं। अब तक, अटल जल के अंतर्गत सभी 8,203 ग्राम पंचायतों के लिए समुदाय आधारित जल बजट और डब्ल्यूएसपी की तैयारी पूरी हो चुकी है और इन्हें प्रतिवर्ष अपडेट किया जाता है।

जैसा कि डब्ल्यूएसपी में परिकल्पना की गई है, विभिन्न जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण कार्यों जैसे चेक डैम, तालाब, पुनर्भरण पिट्स/शाफ्ट आदि का निर्माण, अभिसरण मोड के माध्यम से और प्रोत्साहन तंत्र का उपयोग करते हुए किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप योजना के तहत अब तक लगभग 81,700 आपूर्ति-पक्ष पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण/पुनरूद्धार हुआ है, जिससे लगभग 716 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) का अनुमानित भूजल पुनर्भरण हुआ है।

(ख): अटल भूजल योजना के अंतर्गत भूजल के स्तर में गिरावट को रोकना महत्वपूर्ण कार्य-निष्पादन संकेतकों में से एक है। यह योजना 7 राज्यों के 229 ब्लॉकों में कार्यान्वित की जा रही है, जिनमें से 140 ब्लॉक वर्ष 2020 के दौरान अति-दोहित और संकटग्रस्त श्रेणी में थे। किए गए मूल्यांकन के अनुसार, 229 ब्लॉकों में से कुल 83 ब्लॉकों में भूजल स्तर में सुधार हुआ है, जैसा कि **अनुलग्नक-I** में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, अति-दोहित और संकटग्रस्त ब्लॉकों में से 55 ब्लॉकों में इसी अवधि के दौरान सुधार हुआ है, जिसका विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग) और (घ): सरकार वर्ष 2019 से देश में जल शक्ति अभियान (जेएसए) के व्यापक अभियान को वर्षा जल संचयन और विभिन्न चल रही केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं जैसे मनरेगा, अमृत, पीएमकेएसवाई आदि के साथ अभिसरण में जल संरक्षण गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक मिशन मोड और समयबद्ध कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वित कर रही है।

शक्ति अभियान की गति को और बढ़ाने के लिए, सितंबर 2024 में जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पहल शुरू की गई, जिसका उद्देश्य सामुदायिक स्वामित्व और उत्तरदायित्व को बढ़ावा

देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट जल संबंधी चुनौतियों के अनुरूप लागत-प्रभावी, स्थानीय समाधान करना है। जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए:सीटीआर) अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण और जल संरक्षण के कई नवीन मॉडल देखे गए हैं, जो स्थानीय रूप से अनुकूलित और समुदाय-संचालित समाधानों की विविधता को प्रदर्शित करते हैं।

कुछ उल्लेखनीय मॉडलों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- बनासकांठा, गुजरात में, एक व्यापक स्तर की पहल ने सीएसआर वित्तपोषण और किसान सहकारी समितियों की भागीदारी का लाभ उठाकर शुष्क क्षेत्रों में कम लागत वाली कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण पर बल दिया है। यह मॉडल दर्शाता है कि कैसे सार्वजनिक-निजी सहयोग क्षेत्रीय जल की कमी को प्रभावी तरीके से दूर कर सकता है।
- महाराष्ट्र के, जल तारा मॉडल में किसान द्वारा कृषि भूमि पर 4 फीट x 4 फीट x 6 फीट के मानकीकृत पुनर्भरण पिट्स का व्यवस्थित रूप से निर्माण करना शामिल हैं। यह कम तकनीक वाला किंतु प्रभावी हस्तक्षेप इनफिल्ट्रेशन को बढ़ाता है और उथले जलभृतों के पुनर्भरण में सहायक होता है, जिससे फसलों और भूजल स्थिरता दोनों को लाभ होता है।
- जालौन, उत्तर प्रदेश में, नून नदी के पुनरुद्धार ने सामूहिक प्रयासों के माध्यम से नदी संरक्षण का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। 81 किलोमीटर लंबा यह हिस्सा, जो कभी सूखे नाले में तब्दील हो गया था, मनरेगा कार्यकर्ताओं, स्थानीय स्वयंसेवकों, छात्रों और तकनीकी सहयोग से नवीकृत हो गया है। प्रवाह मार्गों के पुनरूद्धार करने और अवरोधों को हटाने से 2,780 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई संभव हुई, जिससे 15,000 से अधिक किसानों को लाभ हुआ।
- उपरोक्त के अतिरिक्त, देश के विभिन्न भागों में अन्य सफल मॉडल भी उभर कर आए हैं, जैसे कि गुजरात का कर्मभूमि से मातृभूमि मॉडल; छत्तीसगढ़ का क्रेडाई-रायपुर मॉडल; स्कूल भवनों को छत पर वर्षा जल संचयन के लिए लर्निंग ऐड के रूप में उपयोग किए जाने वाला अलवर, राजस्थान मॉडल; छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले का 5% मॉडल; लोकहितेषी और समुदाय-आधारित दृष्टिकोण को प्रदर्शित करने वाला गुजरात का गिर गंगा ट्रस्ट मॉडल आदि।

इन सफल मॉडलों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है और राष्ट्रीय जल मिशन द्वारा जिला कलेक्टरों के साथ बातचीत के दौरान नियमित रूप से इनका प्रदर्शन किया जाता है, जहाँ अनुकरणीय जिले अपनी कार्यान्वयन कार्यनीतियां प्रस्तुत करते हैं। व्यापक प्रतिकृति की सुविधा के लिए, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) का संकलन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के मानक डिज़ाइन भी सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ शेयर किए गए हैं।

सफल मॉडलों की प्रतिकृति और उनके विस्तार सहित जेएसए: सीटीआर के अंतर्गत सभी कार्यों का कार्यान्वयन मुख्य रूप से चल रही केंद्रीय और राज्य योजनाओं की निधि के अभिसरण के साथ-साथ सामुदायिक और सीएसआर योगदान के माध्यम से समर्थित है।

*****

अनुलग्नक-I

"भूजल प्रबंधन पर अटल भूजल योजना (एबीवाई) का प्रभाव" के संबंध में दिनांक 31.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *162 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

राज्य	कुल ब्लॉक	सुधार की स्थिति
गुजरात	36	13
हरियाणा	36	14
कर्नाटक	41	20
मध्य प्रदेश	9	4
महाराष्ट्र	43	14
राजस्थान	38	13
उत्तर प्रदेश	26	5
कुल योग	**229**	**83**

*****

अनुलग्नक-II

"भूजल प्रबंधन पर अटल भूजल योजना (एबीवाई) का प्रभाव" के संबंध में दिनांक 31.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *162 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

राज्य	अति-दोहित और संकटग्रस्त ब्लॉक (कुल 229 में से)	सुधार की स्थिति
गुजरात	23	9
हरियाणा	31	10
कर्नाटक	41	20
मध्य प्रदेश	0	0
महाराष्ट्र	10	6
राजस्थान	26	9
उत्तर प्रदेश	9	1
कुल योग	**140**	**55**

*****